

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

क्वाजेलिन अटोल : अमेरिका का सीक्रेट अड्डा, रूस-चीन पर रखेगा नजर

Sanket Morankar

Published on 26 Sep 2025



प्रशांत महासागर में स्थित क्वाजेलिन अटोल अमेरिका के लिए सिर्फ एक द्वीप नहीं, बल्कि एक गुप्त और अत्यंत महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा है। इसे अमेरिका ने किराए पर लिया हुआ है और यह स्थान रूस और चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने में अहम भूमिका निभाता है। क्वाजेलिन अटोल अमेरिकी सेना के लिए पहला अलर्ट प्वाइंट है, जहां से संभावित हमलों की जानकारी सबसे पहले मिलती है। यह अटोल मार्शल द्वीप समूह का हिस्सा है और अमेरिका के Indo-Pacific रणनीति का एक केंद्रीय तत्व माना जाता है। द्वितीय विश्व युद्ध के समय से ही इस अटोल का महत्व रहा है, और अब भी यह अमेरिका की वैश्विक सामरिक योजनाओं में प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

क्वाजेलिन अटोल से अमेरिकी सेना मिसाइल और रॉकेट परीक्षण करती है, लंबी दूरी की निगरानी अभियान संचालित करती है और संभावित खतरों का आकलन करती है। यह अड्डा अमेरिका को प्रशांत महासागर में समुद्री और वायु मार्गों पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद करता है। विशेषज्ञों का कहना है कि क्वाजेलिन अटोल अमेरिका को चीन और रूस के बढ़ते प्रभाव के बीच रणनीतिक बढ़त देता है। यहां से अमेरिका न केवल अपने सहयोगी देशों जैसे जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ सामरिक अभ्यास करता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों और समुद्री व्यापार मार्गों पर नजर रखता है।

चीन और रूस दोनों के लिए क्वाजेलिन अटोल एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है। चीन के सैन्य विशेषज्ञ इसे अमेरिका की स्थिर निगरानी प्रणाली का हिस्सा मानते हैं, जिससे दक्षिण चीन सागर में उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। रूस के लिए भी यह स्थान महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका यहां से उसकी प्रशांत महासागर में उपस्थिति और हथियार परीक्षणों पर निगरानी करता है। क्वाजेलिन अटोल अमेरिका को रूस और चीन के संभावित हमलों या सैन्य गतिविधियों का सबसे पहला अलर्ट देने की क्षमता प्रदान करता है। इसका मतलब है कि अमेरिका क्षेत्रीय तनाव या संकट की स्थिति में जल्दी प्रतिक्रिया कर सकता है।

क्वाजेलिन अटोल सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रशांत महासागर में इस अड्डे से अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ सामरिक प्रशिक्षण बढ़ा सकता है और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है।

इससे वैश्विक व्यापार और समुद्री कनेक्टिविटी पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि क्वाजेलिन अटोल पर अमेरिकी उपस्थिति Indo-Pacific क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में मदद करती है। अमेरिका का उद्देश्य न केवल रूस और चीन की गतिविधियों पर नजर रखना है, बल्कि अपने सहयोगी देशों को सुरक्षा और सामरिक सहयोग प्रदान करना भी है।

हालांकि क्वाजेलिन अटोल अमेरिकी रणनीति का अहम हिस्सा है, लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना भी है। समुद्र का बढ़ता स्तर, प्राकृतिक आपदाएँ और जलवायु परिवर्तन यहां की सैन्य संरचनाओं के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। इसके अलावा, चीन और रूस की बढ़ती सैन्य गतिविधियाँ अमेरिका के लिए रणनीतिक दबाव भी उत्पन्न करती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका को क्वाजेलिन अटोल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्नत निगरानी तकनीक, मिसाइल डिफेंस सिस्टम और सहयोगी देशों के साथ सामरिक अभ्यास बढ़ाना होगा।

क्वाजेलिन अटोल अमेरिका के लिए सिर्फ एक सैन्य बेस नहीं, बल्कि रणनीतिक बढ़त का केंद्र है। यह अड़्डा अमेरिका को प्रशांत महासागर में सुरक्षा और सामरिक बढ़त देता है, जबकि रूस और चीन की बढ़ती गतिविधियों पर नजर रखने में मदद करता है। इस अटोल की अहमियत भविष्य में और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि रूस और चीन की सैन्य गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हो रही है। अमेरिका के लिए यह अड़्डा रणनीतिक रूप से अनिवार्य है और Indo-Pacific क्षेत्र में उसकी वैश्विक रणनीति का अहम हिस्सा बना रहेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.